मंजूरी दी गई है और क्या भारतीय विश्व कार्य परिषद आय-व्यय का लेखा रखती है;

(ख) भारतीय विश्व कार्य परिषद में कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं;

(ग) भारतीय विश्व कार्य परिषद में कुप्रबन्ध की शिकायतों के संबंध में क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं;

(घ) क्या भारतीय विश्व कार्य परिषद के प्रबन्ध में सुधारों को लागू करने के लिए संसद में कोई विधेयक पुर:-स्थापित किये जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि हां तो कब तक ?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी): (क) 1987 से सरकार ने भारतीय विश्व कार्य परिषद को अनुदान नहीं दिया है जो इस समय स्वायत निकाय है और अपने लेखे रख रही है।

(ख) 70, भारतीय विश्व कार्य परिषद से प्राप्त सूचना के अनुसार।

(ग) से (ङ) सरकार भारतीय विश्व कार्य परिषद के कार्यान्वियन को पुन: सक्रिय बनाने के प्रयोजन से विभिन्न उपाय करने पर विचार कर रही है।

Pakistan's Nuclear Policy

1638. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that Pakistan had turned down suggestions by the United States of America to roll back its weapon-oriented Nuclear Programme;

(b) Whether it is also a fact that Pakistan had declined to sign unilaterally the Nuclear Non-Proliferation Treaty (NPT) as per the news item captioned "Pak declines to sign NPT" which appeared in the Times of India, dated January 14, 1992; and

(c) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) and (b) Government have seen press reports in this regard.

(c) Government constantly monitor all developments having a bearing on India's security and take necessary measures to safeguard it.

Training Camps on Assam-Manipur Border

1639. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware about the training camps run by mercenaries to train extremist operating on Assam-Manipur border in Myanmar and Bangladesh; and

(b) if so, what are the details thereof and the measures taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFRAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) and (b) Government have report of training being imparted to Indian insurgent groups in Bangladesh and Myanmar. The reports indicate that some of the camps involved have been in existence over a prolonged period and different groups have been receiving training there.

All developments relevant to India's security and national interests are under constant monitoring by the Government and appropriate measures are taken on a continuing basis.

Government's reaction on J.K.L.F. March

1640. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recently

reported statement of the Prime Minister of Pakistan that it would not be possible for Pakisan to prevent in future, the J.K.L.F. marches from crossing the lines of Actual Control in Jammu and Kashmir and that India should agree for expeditious implementation of the U. N. Resolution on Kashmir;

(b) if so, the reaction of the Government of India thereto; and

(c) what preventive steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) Government are aware of press reports in this regard.

(b) Government have urged the Government of Pakistan to take effective steps to prevent any violations of the LOC|border and to honour its bilateral obligations in terms of the Simla Agreement.

(c) Adequate measures exist to ensure the inviolability of the LOC and our borders at all times.

इराक द्वारा तेल विनिमय के प्रस्ताव को पुनः प्रचलन में लाना

1641. **श्री राम जेठमलानी**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 फरवरी, 1992 के "इकानामिक टाइम्स" में "इराक रिवाइव्स आयल बारटर प्रोपोजल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इराक द्वारा दिसम्बर 1991 तक भारतीय कम्पनियों को कुल कितनी देनदारी की राशि थी ;

(ग) क्या इराक तेल की आपूर्ति कर इस देनदारी का भुगतान करने का इच्छुक है ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मामले को शीघ्र निपटाने और देश में अपरिष्कृत तेल की कमी को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ से इराक पर लगाये गये प्रतिबन्धों में ढील देने के लिए आग्रह किया है ; और

(ङ) यदि हां, तो यह आग्रह कब किया गया था और उस पर इराक की क्या प्रतिक्रिया रही है ?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) : (क) जी हां ।

(ख) 30 नवम्बर, 1991 की स्थिति के अनुसार सम्बद्ध राशि 614.52 मिलियन अमरीकी डालर है ।

(ग) से (ङ) इराक की सरकार ने समय-समय पर अपनी यह इच्छा व्यक्त की है कि वह भारतीय कम्पनियों को देय अपने ऋण के पुनर्भुगतान के रूप में तेल की आपूर्ति करने को तैयार है, बशर्ते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की प्रतिबन्ध समिति इराक को इस प्रयोजनार्थ तेल के निर्यात की अनुमति दे । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के माध्यम बसे यह मामला प्रतिबन्धसमिति के साथ उठाया था परन्तु समिति ने प्रस्तावित व्यवस्था को अपना अनुमोदन नहीं दिया है ।

New Draft Treaty with Russia

1642. SHRI M. S. GURUPADASWAMY:
DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Russia has offered a new draft treaty in substitution of the earlier Indo-Soviet agreement for friendly relationship;

(b) if so, what are the details thereof stating the spheres in which the